भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3189

दिनांक 30 मार्च, 2022 को उत्तर के लिए

कुपोषण के कारण बच्चों की मृत्यु

3189 श्री नीरज डांगी:

क्या **महिला एवं बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) विगत तीन वर्षों के दौरान कुपोषण के कारण होने वाली मौतों की दर्ज सख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि देश में कुपोषण के कारण बच्चों की बहुत मृत्यु होती है;

(ग) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) सरकार द्वारा कुपोषण से निपटने के लिए राज्यों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है; और

(ड.) क्या सरकार द्वारा अन्य उपचारात्मक उपाय किए गए हैं?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) से (ग) : कुपोषण मौतों का एक सीधा कारण नहीं है; तथापि, इससे संक्रमण के प्रति प्रतिरोध क्षमता घटने से सह-रूग्णता और मृत्युदर में वृद्धि हो सकती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की प्रजनन, मातृ, नवजात, बालक, किशोर स्वास्थ्य (आरएमएनसीएएच) कार्यनीति के तहत, देशभर में विभिन्न गतिविधियां चलाई जाती हैं और इन गतिविधियों का बच्चों की उत्तरजीविता के साथ ही उनकी पोषण स्थिति में सुधार लाने में योगदान रहता है।

(घ) : (i) आरएमएनसीएएच कार्यनीति के कार्यान्वयन के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनकी वार्षिक कार्यक्रम कार्यान्वयन योजना (एपीआईपी) के दौरान सरकार द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता का विवरण **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

(ii) पोषण अभियान के तहत कुपोषण का समाधान करने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को आबंटित की गई निधियों का विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

(ड.) (i) सरकार ने कुपोषण के मुद्दे को उच्च प्राथमिकता दी है और यह देश में कुपोषण की समस्या का समाधान करने के लिए प्रत्यक्ष लक्षित पहलों के रूप में अम्ब्रेला समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) स्कीम के तहत आंगनवाड़ी सेवाएं, किशोरी स्कीम और प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) जैसी अनेक स्कीमों का कार्यान्वयन कर रही है।

इसके अलावा, 8 मार्च, 2018 को शुरू किए गए पोषण अभियान का उद्देश्य एक अनुकूलित और परिणामोन्मुख दृष्टिकोण अपनाते हुए जीवनचक्र दृष्टिकोण के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से देश में कुपोषण को कम करना है।

बजट 2021-2022 में सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए एक समेकित पोषण सहयोग कार्यक्रम, मिशन पोषण 2.0 की घोषणा की गई है। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य, कल्याण और रोग तथा कुपोषण से प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने वाली पद्धतियों के विकास पर जोर देते हुए पोषण सामग्री, वितरण, पहुंच और परिणामों को सशक्त बनाना है। पूरक पोषण के वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही और पोषण परिणामों का पता लगाने के लिए 13.01.2021 को दिशानिर्देश जारी किए गए।

(ii) एनएचएम के तहत, देशभर में 1080 पोषण पुनर्वास केंद्र(एनआरसी) कार्यशील हैं। ये केंद्र भर्ती किए गए गंभीर कुपोषण वाले(एसएएम) बीमार बच्चों को चिकित्सा और पोषण देखभाल प्रदान करते हैं।

*****

अनुलग्नक–I

वित्त वर्ष 2018-19 से 2020-21 तक आरसीएच फ्लैक्सीबल पूल (आरआई, पीपीआई और एनआईआईडीडीसीपी सहित) के तहत केंद्रीय निर्मुक्ति का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र–वार विवरण

करोड़ रुपये

क्र.सं.	राज्य	2018-19	2019-20	2020-21
		केंद्रीय निर्मुक्ति		
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	0.88	3.57	5.08
2	आंध्र प्रदेश	213.54	200.81	184.81
3	अरुणाचल प्रदेश	57.96	37.85	23.50
4	असम	365.44	392.07	435.18
5	बिहार	425.87	474.87	628.43
6	चंडीगढ़	3.71	6.16	4.73
7	छत्तीसगढ़	182.72	158.05	160.88
8	दादरा और नगर हवेली	4.16	5.68	7.01
9	दमन और दीव	1.64	4.13	
10	दिल्ली	46.78	20.23	19.18
11	गोवा	4.49	4.98	4.69
12	गुजरात	273.88	219.18	219.32
13	हरियाणा	111.01	113.89	110.96
14	हिमाचल प्रदेश	63.25	58.74	68.39
15	जम्मू और कश्मीर	111.79	120.24	140.41
16	झारखंड	187.93	167.87	163.88
17	कर्नाटक	201.92	214.85	220.44
18	केरल	99.95	88.48	101.22
19	लक्षद्वीप	0.77	0.87	0.99
20	मध्य प्रदेश	380.86	396.40	456.70
21	महाराष्ट्र	363.03	381.34	520.86
22	मणिपुर	29.63	37.38	29.55
23	मेघालय	39.86	33.66	61.17
24	मिजोरम	21.38	20.36	28.28
25	नागालैंड	26.41	23.58	38.20
26	ओडिशा	221.65	211.53	206.43
27	पुदुचेरी	4.71	6.12	3.89
28	पंजाब	83.50	86.21	90.05
29	राजस्थान	375.50	369.06	504.58
30	सिक्किम	6.10	7.35	13.16
31	तमिलनाडु	245.80	242.36	256.34
32	त्रिपुरा	43.53	44.56	43.37

33	उत्तर प्रदेश	865.87	992.01	1021.68
34	उत्तराखंड	77.12	82.91	86.25
35	पश्चिम बंगाल	244.61	273.38	300.05
36	तेलंगाना	134.48	123.22	154.14
37	लद्दाख	0.00	0.00	19.72

नोट :

1. उपरोक्त निर्मुक्ति केंद्र सरकार के अनुदान से संबंधित है और इसमें राज्यों का अंशदान शामिल नहीं है।

अनुलग्नक–II

पोषण अभियान के तहत जारी की गई निधि का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र–वार विवरण (25.03.2022 तक)

लाख रुपये

क्र.सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**25.03.2022 तक जारी की गई कुल केंद्रीय निधि**
1	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	824.51
2	आंध्र प्रदेश	25363.32
3	अरुणाचल प्रदेश	2815.88
4	असम	32948.67
5	बिहार	49365.59
6	चंडीगढ़	1222.53
7	छत्तीसगढ़	11434.54
8	दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव	1196.11
9	दिल्ली	3327.18
10	गोवा	455.95
11	गुजरात	29127.69
12	हरियाणा	6808.82
13	हिमाचल प्रदेश	10895.41
14	जम्मू और कश्मीर	9224.35
15	झारखंड	6665.8
16	कर्नाटक	14276.52
17	केरल	10444.89
18	लद्दाख	118.768
19	लक्षद्वीप	425.62
20	मध्य प्रदेश	39398.53
21	महाराष्ट्र	60810.326
22	मणिपुर	4389.99
23	मेघालय	5073.386
24	मिजोरम	2575.03
25	नागालैंड	5624.11
26	ओडिशा	15172.11
27	पुद्दुचेरी	943.62
28	पंजाब	6909.84
29	राजस्थान	22904.21
30	सिक्किम	1370.98
31	तमिलनाडु	25060.44

32	तेलंगाना	17906.84
33	त्रिपुरा	4135.95
34	उत्तर प्रदेश	56968.96
35	उत्तराखंड	13574.89
36	पश्चिम बंगाल	26751.08
कुल		**526512.44**